GRIZZLY COLLEGE OF EDUCATION

E-NEWSLETTER

BULLETIN Issue : January to June 2021

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar, Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag & JAC, Ranchi

JHUMRI TELAIYA, DIST. KODERMA, (JHARKHAND), Website : www.grizzlycollege.org, E-mail : info@grizzlycollege.org

From The Directors' Desk

कोविड–19 वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के दौरान बी0एड0 2019–21 एवं 2020–22, डी0एल0एड0 2019–21 एवं 2020–22 के प्रशिक्षुओं का शैक्षणिक सदस्यों ने प्रतिकूल परिस्थितियों में ऑनलाइन कक्षाएँ लेकर सराहनीय कार्य किया है।

हमारा महाविद्यालय भी इस महामारी से अछूता नहीं रहा फिर भी जिस उत्साह एवं जोश के साथ **NAAC** की प्रक्रिया हेतु **SSR** अपलोड किया गया उसके लिए हम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 संजीता कुमारी एवं सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर सदस्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हैं।

मनीष कपसिमे

अविनाश सेठ

From The Principal's Desk

डॉ0 संजीता कुमारी
प्राचार्या

प्रस्तुत सूचना–पत्र कोविड–19 वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के समय विपरीत परिस्थितियों में महाविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों की संक्षिप्त रूपरेखा है। मनुष्य के जीवन में प्रतिकूल परिस्थिति आनी इसलिए भी जरूरी है क्योंकि उसके व्यक्तित्व के तमाम आयामों का पता चल जाता है। धैर्य, साहस, कमजोरी, मजबूती, मित्र, शत्रु सब सामने आ जाते हैं।

इसी बीच कोरोना का टीकाकरण की प्रक्रिया ने दुनिया में सभी को आशान्वित किया है।

महाविद्यालय जनवरी से जून 2021 के दौरान प्रशिक्षुओं के सर्वांगीण विकास हेतु ऑनलाइन कक्षाओं के आयोजन के साथ पाठ्येत्तर गतिविधि जैसे– स्वामी विवेकानंद जयंती, गणतंत्र दिवस, स्थापना दिवस, सरस्वती पूजा, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, बी0एड0 2020–22 के प्रशिक्षुओं का अभिविन्यास कार्यक्रम, अंबेडकर जयंती पर निबंध प्रतियोगिता, 18 मई को तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान, पर्यावरण दिवस, कोरोना पीड़ितों के सहयोगार्थ 15 जून को कार्यशाला का आयोजन एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक किया है।

इसी दौरान महाविद्यालय द्वारा NAAC की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है जिसमें SSR को सफलतापूर्वक महाविद्यालय के शिक्षकों ने अपलोड कर दिया है ।

हमें आशा ही नहीं अपितु पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में महाविद्यालय की ग्रेडिंग हो जाएगी ।

महात्मा गांधी के इस उद्धरण के साथ ''हमारा भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम अपने वर्तमान में क्या कर रहे हैं।''

सभी के स्वस्थ रहने की कामना करते हुए –

Activities of the month January to June 2021

Republic Day Celebration on 26.01.2021

CTET Preparatory Classes

National Voter Day on 25.01.2021

Subhash Chandra Bose Jayanti on 23.01.21

Youth Day on 12.01.2021

Parent-Teacher Meeting on 07.03.2021

Saraswati Puja

Orientation Programme of B.Ed. 2020-22 on 08.04.2021

Internship Activities of B.Ed. 2019-21

Holi Celebration

Internship Activities

Earth Day on 22.04.2021

World Health Day

10 Hard Things You Have To Do To Be A Great Leader

You have to make the call you are afraid to make.
You have to get up earlier than you want to.
You have to give more than you get in return right away.
You have to care more about others than their care about you.
You have to feel unsure and insecure when playing it safe seems smarter.
You have to try and fail and try again.
You have to run faster even though you are out of breath.
You have to be accountable for your actions even when things go wrong.
You have to be kind to people who have been cruel to you.
You have to invest in yourself even though no one else is.

Chunnu Kumar
R.N. 15, B.Ed. 2019-21

The Real Wealth

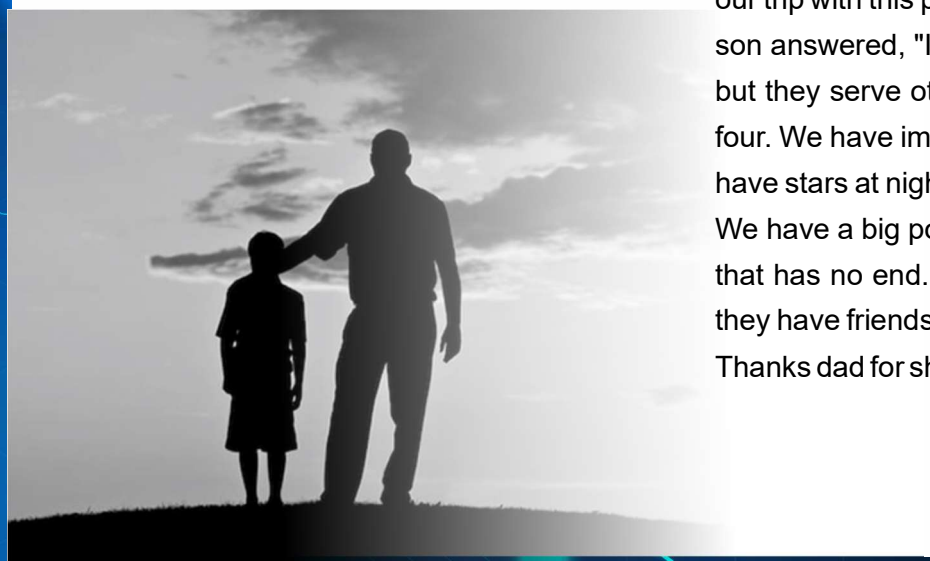

One day, a rich man decided to take his son on a trip to the country. The wealthy man wanted to show his son how the poor people live so he could be thankful for his wealth. They spent two days on a farm of a very poor family. On their way home, the rich man asked his son, "How was our trip with this poor family and what did you learn?" The son answered, "I saw that we have servants to serve us but they serve others. We have one dog and they have four. We have imported lanterns in our gardens and they have stars at night. We buy our food but they grow theirs. We have a big pool in our garden, but they have a creek that has no end. We have large walls to protect us and they have friends to protect them. "Finally the son added, Thanks dad for showing me how poor we are."

Apurva Sarkar
R.N. 01, B.Ed. 2019-21

दामन वर्तमान का !!!

मेरी किस्मत ने है हराया मुझे

हर बार है इसने रुलाया मुझे

ठोकरों ने किया है स्वागत मेरा

कांटो से है वास्ता मेरा

पर मैं नहीं उन बुजदिलों में से

जो हार जाए मुश्किलों से

कांटो को पार करना आता है मुझे

इस बेरंग जिंदगी को रंगीन करना आता है मुझे

हारते वो हैं जो गिर कर उठना नहीं जानते

डूबते वो हैं जो तिनकों को सहेजना नहीं जानते

बीते कल से वास्ता क्या आने वाला हाथ में नहीं है

मेरे पास आज सजग संपूर्ण है

स्मृति को छोड़ छटा को कर साकार

भविष्य के स्वर्णिम काल पर तब होगा तेरा अधिकार

अब थाम तिनकों को धरा से मुझको ऊपर उठना है

थाम दामन वर्तमान का सदैव आगे बढ़ते रहना है।

बबली कुमारी
अनुक्रमांक न0 – 26,
बी0एड0 2019–21

मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है

मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होता है, क्योंकि आजकल मनुष्य के उत्थान और पतन में भाग्य की भूमिका को रेखांकित करने वाले विचारों की कोई कमी नहीं है। भाग्यवाद ने लाखों को आलसी एवं निकम्मा बना दिया है। ईश्वर ही कर्मो का निर्माता है और जो भाग्य में लिखा है वही प्राप्त होगा ऐसा सोचकर अपनी ही सफलता के मार्ग पर रोड़ा अटकाते हैं। वास्तव में इस भाग्यवाद ने मनुष्य का जितना अहित किया है उतना संसार के किसी तानाशाह ने भी नहीं किया होगा। कन्नड़ में एक कहावत है कि कुएं में चाहे जितना पानी हो, महज चाहने से वह नहीं निकल सकता। मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होता है। सफलता आसमान से उतरकर किसी के दरवाजे पर दस्तक नहीं देती। जो लोग अपने भाग्य का सामर्थ्य रखते हैं सफलता उन्हीं के गले में माला डालती है। इतिहास साक्षी है कि मनुष्य ने जब भी अपनी क्षमता का उपयोग किया है उसने अपने भाग्य का निर्माण किया है।

पल्लवी राय
अनुक्रमांक न0 – 17
बी0एड0 2019–21

हमारा झारखंड

रेशमा परवीन
रौल न0 – 36, बी0एड0 2019–21

मेरा राज्य महान है,
भारत की यह शान है !
बिरसा की है यह जन्मभूमि,
मनमोहक सी, भीनी– भीनी !!

प्रकृति की है संपदा,
खनिजों का अंबार यहाँ !
कल–कल बहता पानी है,
झरनों की भरमार यहाँ !!

आओ हम इस माटी का,
कर्ज चुका जाएं आज !
रक्षा करें इस वन संपदा का,
कभी ना आने दें इसपर आंच !!

5 Ways To Build Trust On Your Team

Mohit Kumar
R.N. 04, B.Ed. 2019-21

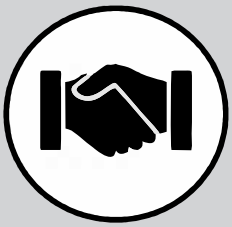

1. Transparency :

Transparency in a team definitely builds trust. If everything's being transparent in the team, the trust with one another will increase.

2. Stop the habit of blaming :

Let go even if it's that one team member's mistake. Stop blaming, support the person all together as a team. Work on correcting the mistake.

3. Don't just see the Employee's Triumphs :

See mistakes as opportunities. Learn 'what to do' and 'what not to do'. Don't just see the employees in their triumphs alone. Look at the mistakes too as chances to find better things.

4. Don't pester your Team with Rules :

Team members are adults who are educated and creative individuals. Don't treat them like children and pester them with too many rules. Too many restrictions or rules - to - follow gives the feeling of 'They don't trust us' to employees. Building trust involves giving freedom to your team members.

5. Spend Time with your Team Members :

Don't control and operate your team by sitting inside your room. Team dynamics are not about that.
Spend time with your team and support them.

तुम मुझको कब तक रोकोगे.....

अनुपम कुमार सिंह
अनुक्रमांक न0 – 98,
बी0एड0 2020–22

मुट्ठी में कुछ सपने लेकर, भर कर जेबों में आशाएं
दिल में है अरमान यही, कुछ कर जाएं, कुछ कर जाएं।
सूरज सा तेज नहीं मुझमे, दीपक सा जलता देखोगे
सूरज सा तेज नहीं मुझमे, दीपक सा जलता देखोगे
अपनी हद रौशन करने से
तुम मुझको कब तक रोकोगे,
तुम मुझको कब तक रोकोगे.....

मैं उस माटी का वृक्ष नहीं, जिसको नदियों ने सींचा है
मैं उस माटी का वृक्ष नहीं, जिसको नदियों ने सींचा है
बंजर माटी में पलकर मैंने मृत्यु से जीवन खींचा है
मैं पत्थर पे लिखी इबारत हूं, शीशे से कब तक तोड़ोगे
मिटने वाला मैं नाम नहीं,
तुम मुझको कब तक रोकोगे ,
तुम मुझको कब तक रोकोगे.....

इस जग में जितने जुल्म नहीं उतने सहने की ताकत है
इस जग में जितने जुल्म नहीं उतने सहने की ताकत है
तानों के भी शोर में रहकर , सच कहने की आदत है
मैं सागर से भी गहरा हूं ,मैं सागर से भी गहरा हूं,
तुम कितने कंकड़ फेंकोगे
चुन चुन के आगे बढ़ूंगा मैं,
तुम मुझको कब तक रोकोगे,
तुम मुझको कब तक रोकोगे.....

झुक झुक कर सीधा खड़ा हुआ, अब फिर झुकने का शौक नहीं
झुक झुक कर सीधा खड़ा हुआ, अब फिर झुकने का शौक नहीं
अपने ही हाथों रचा स्वयं, तुमसे मिटने का खौफ नहीं
तुम हालातों की भट्टी में जब जब भी मुझको झोंकोगे
तब तप कर सोना बनूँगा मैं
तुम मुझको कब तक रोकोगे
तुम मुझको कब तक रोकोगे
तुम मुझको कब तक रोकोगे.....

Editorial Board

Chief Editor :-

Dr. Sanjeeta Kumari

Editor :-

Mr. Mohit Kumar Tiwari

To

Editorial Board Students :-

Asif Iqbal
Mohit Kumar
Manisha Kumari